सहस् *n.* (r. सह् s. अस्) vis, robur, potestas.

सहसा *Adv.* (ut videtur, instrum. praec.) cito, subito. N. 23.13.

सहस्र mille. 1) *Subst. n.* Su. 3.27. 2) *Adj.* Dr. 2.12.

सहस्रदृश् *m.* (*bah.* e praec. et दृश् oculus) mille oculos habens, cognomen *Indri.*

सहस्रनेत्र (e सहस्र et नेत्र oculus) mille oculos habens. Su. 3.28.

सहस्रशस् *Adv.* (a सहस्र s. शस्) *quasi* millenatim. In. 1. 31.

सहा *f.* (*Fem.* vocis सह) nomen *Apsarasis.*

सहाय *m.* (e सह cum et अय iens *in fine comp.*, a r. इ s. अ) comes. N. 6.2.

सहित *Adj.* (e सह cum s. *taddh.* इत) conjunctus, associatus. H. 2.15. In. 5.60. Br. 1.13. N. 4.20. 21.31. A. 7.1. 10.12.

सहिष्णु (r. सह् s. स्नु insertâ vocali इ) sustinens, perferens, tolerans, *c. acc.* Hit. 55.8.: परसुखम् असहिष्णुः.

सांयुगीन (a संयुग s. ईन) ad bellum, pugnam pertinens, bellicus. Ur. 83.17.

साक्षात् *Adv.* (e स cum et अक्ष oculus in *ablat.*, v. gr. 675. not. 2.) in conspectu, coram, palam. In. 2.16. Su. 1.17. N. 24.13. Sa. 6.38. A. 1.12. — साक्षाद् इव plane ut. N. 1.4. 2.28.

साक्षिन् *m.* (e स cum et अक्ष vel अक्षि oculus s. इन्) testis. N. 24.32.

सागर *m.* mare, oceanus.

साग्निक (*bah.* e स cum et अग्नि *Agnis* s. क, v. gr. 665.) cum *Agni* conjunctus. N. 2.24.

साङ्ख्य (a सङ्ख्या s. अ) *Adj.* cogitans, ratiocinans. Bh. 3.3. 5.5. 13.24. *Subst. n.* 1) doctrina rationalis, ratiocinatio. Bh. 2.39. 5.4. 2) systema philosophicum, *Kapilo* adscriptum.

साट् 10. *P.* (प्रकाशने) manifestare.

सात्त्विक (a सत्त्व q. v. suff. इक) mentem spectans, ad mentem pertinens. Bh. 7.12. 14.16.

साद *m.* (r. सद् s. अ) occasus, interitus, exitium.

सादन *n.* (r. सद् ire s. अन) domus, habitatio. H. 4.7. Su. 2.20.

सादरम् *Adv.* (*avy.* e स et आदर) cum veneratione, reverenter. Hit. 16.13.

साध् 1) *5. P. in dial. Vêd.* etiam 1. *P.* perficere. Rigv. 2.7. 94. 2. 96. 1. 2) superare, vincere. Hit. 3.40.: साम्ना दानेन भेदेन ... साधितुम् प्रयतेत ’रीन् न युद्धेन (v. Caus. sgnf. 2. et Man. 7.198. ubi विजेतुम् pro साधितुम्). 3) 4. *P.* perfici, absolvi. — *Caus.* 1) perficere, peragere, absolvere. A. 10.60.: सुरासुरैर् असह्यं हि कर्म यत् साधितन् त्वया; Man. 7.173.: साधयेत् कार्यम् आत्मनः. 2) superare, vincere. Mah. 1.7435.: न हि साम्ना न दानेन न भेदेनच पाण्डवाः । शक्याः साधयितुन् तस्माद् विक्रमेणै ’व तान् जहि; 2.647.: 3) proficisci, ire, abire. Sa. 16.32.: साधयिष्याम्य् अहन् तावत् सर्वेषाम् भद्रम् अस्तु वः; R. Schl. II. 34. 34.: त्वं श्वः काल्ये साधयिष्यसि. 4) pervenire, assequi, adipisci (v. इ). Man. 6.75.: तपश्चरणैश्चो ’ग्रैः साधयन्ती ’ह तत् पदम्. (Cf. सिध्, goth. *sidu-s* mos, germ. vet. *situ* id., *sitôn* machinari, facere, agere, disponere, v. Graff 6.162.; gr. ἔθος, ἦθος, ἠθικός. Huc etiam traxerim goth. *sêlis* bonus, mutato *d* in *l*, *un-sêlis* malignus, germ. vet. *sâlig* beatus, *sâlida* felicitas; v. साधु. Fortasse hib. *sadhbh* «salve, any thing good», cum *bh* = *v*, v. साधु, pl. m. साधवस्; fortasse *id* «good, just, honest» ad साधु vel सिद्ध pertinet, abjecto *s*; v. सिध् quod e सध्, debilitato अ in इ).

c. प्र 1) *Caus.* acquirere. Man. 7.103.: सर्वाणि भूतानि दण्डेनै ’व प्रसाधयेत् (schol. आत्मसात् कुर्यात्). 2) instruere. प्रसाधित instructus, praeditus. Ur. 79.4. *infr. Vid. praef.* सम् *sgf.* 4.

c. प्र praef. सम् *Caus.* perficere, efficere, facere. Hit. 131. 17.: त्वयै ’केन मदीयो ’र्थः सम्प्रसाध्यः (cf. 131. 15.).

c. सम् 1) *Caus.* perficere. *atm.* successum habere, fortunâ prosperâ uti, felicem esse. Mah. 3.1478.: संसाधयस्व कौन्तेय ध्रुवो ’स्तु विजयस् तव. 2) occidere,